कान्हा करे बरजोरी | by Damini Pathariya

कैसे जाऊं खेलन को होरी
सखी कान्हा करे बरजोरी

मुरली बजाई ऐसे सांवरिया
सुध बुध खोई भई बावरिया
तब ही रंग डारयो बनवारी
भीज गई रेशम की सारी
वो छलिया करे चित्तचोरी
सखी कान्हा करे बरजोरी

उड़त गुलाल रंगे घर आँगन
फाग मच्यो ऐसो वृन्दावन
नन्दलाल घेरत पनघट पर
भर पिचकारी मारी मोरे घूँघट पर
श्याम रंग में रंगी हर गोरी
सखी कान्हा करे बरजोरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%b0%e0%a4%9c%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-damini-pathariya/